अवनि समाचार

अंक: 03

वर्ष–01 अप्रैल–जून, 2022

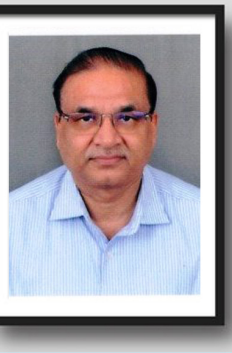

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

पिछले नौ महीने बेहद चुनौतीपूर्ण रहे हैं क्योंकि नवगठित कंपनी को सरकारी इकाइयों के समूह से एक कॉर्पोरेट इकाई में बदलना पड़ा। हमारे सामने चुनौती यह थी कि हम बदलाव के दौरान अपनी क्षमता का भी प्रदर्शन करें। अवनि ने शानदार प्रदर्शन किया है और विकास एवं लाभ की राह पर है। मैं अवनि में कार्यरत अपने सभी साथियों को उनके समर्पण और घाटे में चल रही इकाइयों को एक लाभदायक संस्था में बदलने के दृढ़ प्रयासों के लिए बधाई देता हूं।

मैं आपके साथ नियमित रूप से आपसे संवाद करता रहूँगा । लेकिन आज जब मैंने अवनि का कार्यभार संभाला है, तो मैं केवल अपने तत्कालिक विचार साझा करूंगा और लक्ष्यों तथा प्राथमिकताओं की व्यापक रूपरेखा तैयार करूंगा।

अवनि को वर्तमान में मजबूत ऑर्डर बुक स्थिति का सौभाग्य प्राप्त है। इसलिए हमारा तात्कालिक लक्ष्य और सर्वोच्च प्राथमिकता इस वित्तीय वर्ष (2022-2023) के उत्पादन लक्ष्य को पूर्ण रूप से प्राप्त करना चाहिए मैंने अभी–अभी पहली तिमाही में अपनी उपलब्धियों की ओर ध्यान दिया है । हमने वार्षिक लक्ष्य का लगभग 16% प्राप्त किया है । यह निर्धारित लक्ष्य से करीब 9 फीसदी कम है। अवनि के सभी कर्मचारियों से मेरा निवेदन है कि अपने लक्ष्य को अपना उद्देश्य और मंत्र बनाएं। क्योंकि लक्ष्य की प्राप्ति ही सफलता का एकमात्र साधन है। प्रतिबद्धता प्रदर्शन है, उपलब्धि है एवं लाभ है अतएव कंपनी के लिए प्रतिबद्धता ही जीवन है।

The Force Behind The Forces

उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु, हमें अन्य प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सबसे पहले, लागत में कमी,जो एक महत्वपूर्ण ध्यान देने योग्य क्षेत्र है, जिसकी निगरानी मंत्रालय द्वारा की जा रही है। मुझे विश्वास है कि अपव्यय अस्वीकृतियों को समाप्त करके और महत्वपूर्ण घटकों की आउटसोर्सिंग का सहारा लेकर लागत उपरिव्यय को कम करने के लिए कार्यनीतियां बनाई गई हैं। मैं हर किसी से अपने सभी कार्यों तथा निर्णयों को इसके वित्तीय प्रभावों के संदर्भ में तौलने और हर संभव तरीके से बचत करने का प्रयास करने का आग्रह करता हूं। आइए याद रखें, बचाया गया एक पैसा कमाया हुआ एक पैसा होता है।

हमें प्रक्रियाओं और विधियों में अक्षमताओं को दूर करके सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में दक्षता उत्पादकता को बढ़ाना होगा। दक्षता और इसका निरंतर सुधार अस्तित्व और सफलता के लिए निश्चित ही अनिवार्य है। इसलिए मशीनों के क्षमता उपयोग और मशीनों पर कर्मचारियों के संपर्क समय में सुधार करना होगा। मुझे बताया गया है कि अवनि एक नई प्रोत्साहन योजना तैयार करने की प्रक्रिया में है जो दक्षता एवं उत्पादकता को प्रोत्साहित करेगी तथा सभी श्रेणियों के कर्मचारियों को अपने दायरे में लाएगी । मैं सभी से आग्रह करता हूं कि आप जिस क्षेत्र में काम कर रहे हैं, उसका आलोचनात्मक विश्लेषण करें तथा सुधार के लिए सुझाव दें। हम अपने सभी कर्मचारियों को ठोस सुझावों के साथ आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक सुझाव योजना स्थापित करेंगे और यदि सुझाव व्यवहार्य एवं कार्यान्वयन योग्य पाए जाते हैं, तो उन्हें उपयुक्त रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

तीसरा है गुणवत्ता । जबकि हम न केवल बेहतर बल्कि सर्वोत्तम गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रबंधन और गुणवत्ता नियंत्रण तकनीकों को अपनाते हैं मेरे सभी सहकर्मियों से अपील है कि एक साधारण मानसिक ढांचे को अपनाएं। मैं इसे स्वामित्व कहता हूं। मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि आप जो भी उत्पादन करते हैं, उसे अपना मानें चाहे वह शॉप फ्लोर पर उत्पाद हो या कार्यालयों में किसी फाइल पर नोटिंग हो। यदि आप अपने उत्पादन के मालिक हैं, तो आप उसकी गुणवत्ता के लिए जिम्मेदार महसूस करेंगे। इस प्रकार अपने कार्य पर स्वामित्व पाना गुणवत्ता है। गुणवत्ता हमारी पहचान होनी चाहिए और चिन्ह 'अवनि' गुणवत्ता का पर्याय होना चाहिए। इसके लिए, मशीन चालक को ड्राइंग विनिर्देश के अनुसार उत्पादन करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। अच्छे बुरे के चयन के लिए परीक्षकों की नियुक्ति कंपनी के लिए एक भार समान है।

चौथा है संस्कृति । अब हम एक कॉर्पोरेट हैं। अपना काम करने के पुराने तरीके अब प्रासंगिक नहीं हैं। इसलिए हमें अवनि के लिए एक अनूठी कॉर्पोरेट संस्कृति स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए, जिस पर हम सभी को गर्व हो। अखंडता, नवाचार और उत्कृष्टता की संस्कृति हमारा आदर्श सिद्धांत होना चाहिए। अवनि के सभी कर्मचारियों को इसे अपनी सोच, कार्य और व्यक्तित्व का हिस्सा बनाना चाहिए।

जहाँ हमारा लक्ष्य भारत में अपना नेतृत्व बनाए रखना है वहीं हमारा लक्ष्य एक वैश्विक ब्रांड बनना भी है। हम राष्ट्रीय अभियानों जैसे 'आत्म निर्भर भारत अभियान' और 'मेक–इन इंडिया' पहल के प्रमुख संरक्षक बनने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हमारा तात्कालिक लक्ष्य अगले 3 वर्षों में मिनीरत्न–1 सी.पी.एस.ई. और अगले 5 वर्षों में नवरत्न सीपीएसई बनना है। जबकि हमारा तात्कालिक कार्य प्रतिबद्धता है, अर्थात, हमारे उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करना । यदि हम अपने लक्ष्यों और दृष्टिकोण को प्राप्त करना चाहते हैं तो हमें भी अपने भविष्य के बारे में समान रूप से ध्यान केंद्रित करना चाहिए। पीटर एफ ड्रकर का प्रसिद्ध उद्धरण है, ''यदि व्यवसाय नवाचार नहीं करते हैं, तो उनके प्रतिस्पर्धी उन्हें अप्रचलित बना देंगे''। इसलिए हमारी कार्यनीति नए उत्पादों के विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास नवाचार में दृढ़ता से निवेश करने की है।

हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में पैर जमाए बिना वैश्विक ब्रांड बनने की आकांक्षा नहीं कर सकते। इसके अलावा, हमारी सरकार ने अगले कुछ वर्षों में हमारे कारोबार का 20 प्रतिशत निर्यात करने का लक्ष्य सामने रखा है। कवच वाहन समूह, परंपरागत रूप से, टीओटी आईपीआर विषयों के कारण मजबूत विदेशी विस्तार नहीं बना पाया है। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि अवनि ने मिस्र को आर्टिलरी प्रशिक्षकों के निर्यात की शुरुआत की है। लेकिन हमें ''निर्यात'' को अपना मुख्य परिणाम क्षेत्र बनाना चाहिए। मुझे विश्वास है कि संचालन निदेशालय विदेशी बाजारों में कदम रखने की अगुवाई कर रहा है।

जहाँ हमें अपने घरेलू अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को मजबूत करना चाहिए, हमें रणनीतिक सहयोग, सह–डिजाइन और सह–विकास के लिए संयुक्त उद्यम जैसे अन्य रास्ते भी खोजने चाहिए। यह सह–निर्भरता का युग है और हम सदैव घरेलू एवं विदेशी ओईएम के साथ उपयुक्त साझेदारी की तलाश में रहेंगे। मुझे हर्ष है कि कॉर्पोरेट कार्यालय कई संभावित भागीदारों के साथ बातचीत कर रहा है और विभिन्न चरणों में चर्चा हो रही है।

अवनि परिवार के मुखिया के रूप में, मेरे कर्मचारियों की आवश्यकताओं एवं हितों की देखभाल करना भी मेरी प्रधान जिम्मेदारी है। कर्मचारी न केवल मेरी सबसे मूल्यवान संपत्ति हैं, वे मेरी ताकत, मेरी प्रेरणा और मेरे आत्मविश्वास का स्रोत हैं। मैं अवनि में कार्यरत अपने सभी साथियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उन्हें अपने भविष्य के बारे में कोई आशंका नहीं होनी चाहिए। आपकी कंपनी आपके कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारा बोर्ड हमेशा यह सुनिश्चित करेगा कि आपके हितों को हमेशा ध्यान रखा जाए। मैं आप सभी से अपनी कंपनी के विकास के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील करता हूं। कृपया याद रखें कि आपकी सफलता में अवनि की सफलता है और अवनि की सफलता आपकी सफलता है। आपकी क्षमता, समर्पण और निष्ठा के बारे में मेरे मन में निश्चित ही कोई संदेह नहीं है और मुझे भरोसा है कि अवनि के प्रति आपकी प्रतिबद्धता कंपनी के लिए सफलता एवं आपके और आपके परिजनों के लिए समृद्धि के युग का आह्वान करेगी ।

अंत में मैं यह कहते हुए अपनी बात को विराम देता हूं कि आइए हम एक साथ सद्भाव, सामंजस्य एवं एकता के साथ काम करें तथा अपनी कंपनी को अपने राष्ट्र का गौरव बनाएं।

जय हिन्द।

Your success is AVANI's success
and AVANI's success is Your success.

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस - International Yoga Day

केन्द्र सरकार के निदेशानुसार योग दिवस के उपलक्ष्य में आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड निगम मुख्यालय में दि.19.05.2022 एवं 30.05.2022 को उल्टी गिनती कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

दि. 19.05.2022 को पूर्वा.11.00 बजे मुख्य सम्मेलन कक्ष में योग का महत्व एवं उपयोग संबंधी वीडियो दिखाया गया । इस अवसर पर मुख्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योग संबंधी वीडियो देख कर विभिन्न आसनों की जानकारी प्राप्त की । दि.19.05.2022 को अप. 17.00 बजे श्री रामकुमार, अध्यापक, पतंजली योग पाठशाला, आवडी ने मुख्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के योगासनों की जानकारी दी । इस अवसर पर श्री संजीव किशोर, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री संजय द्विवेदी, निदेशक/संचालन, श्री सी. रामचन्द्रन, निदेशक/वित्त तथा मुख्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे । श्री रामकुमार, अध्यापक ने सभी अधिकारियों से योगाभ्यास करवाया। तदुपरांत उन्होंने अपने स्कूल के छात्र एवं छात्राओं द्वारा योग संबंधी सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाया जोकि दर्शकों का मन लुभाया।

दि. 30.05.2022 को पूर्वा. 11.00 बजे उल्टी गिनती के दूसरे चरण में मुख्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रश्न मंच आयोजित किया ।

दि. 21.06.2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूर्वा. 11.00 बजे से 12.00 बजे तक ब्रह्मकुमारी संस्थान से पधारे सुश्री पी.के.ईश्वरी द्वारा 'मन को कैसे खुश रखें' संबंधी व्याख्यान दिया गया एवं अभ्यास भी करवाया गया । यह व्याख्यान एवं अभ्यास सत्र सभी को लाभदायक रहा । दि. 21.06.2022 को अप. 05.30 बजे योग दिवस का समापन समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर श्री संजीव किशोर, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री संजय द्विवेदी, निदेशक/संचालन, श्री सी. रामचन्द्रन, निदेशक/वित्त एवं मुख्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे । श्री रामकुमार, अध्यापक, पतंजली योग पाठशाला, आवडी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का योगाभ्यास कराया तथा अपने छात्र–छात्राओं द्वारा योग कार्यक्रम प्रस्तुत किया जोकि अत्यंत सराहनीय रहा । श्री संजीव किशोर, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने योग संबंधी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले छात्र–छात्राओं को भेंट वस्तुएं दे कर सम्मानित किया । अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ योग दिवस कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

स्थानान्तरण पर आगमन Transferred in

इस मुख्यालय में अप्रैल, 2022 से जून, 2022 तिमाही निम्नलिखित अधिकारियों ने स्थानान्तरण पर रिपोर्ट किया

श्री विजय कुमार मीणा, का.प्र.
आ.नि.मेदक
05.04.2022

श्री विपुल बाजपेई, सहा.का.प्र.
एम.टी.पी.एफ., अंबरनाथ
21.04.2022

श्री जी. श्रीनिवासन, म.प्र.
इंजिन निर्माणी, आवडी
24.04.2022

श्री सी.आर. संदीप, उप म.प्र.,
वा.नि.जबलपुर
04.05.2022

डॉ.आर. श्रीनिवासन, संयुक्त म.प्र.
इंजिन निर्माणी, आवडी
06.05.2022

श्री बी. जीवा, का.प्र.
भारी वाहन निर्माणी, आवडी
17.05.2022

'अवनि परिवार' की ओर से उक्त अधिकारियों का हार्दिक स्वागत है !

The following officers had taken voluntary retirement from service during the quarter April – June 2022 on the dates mentioned against the name of each.

ऐच्छिक सेवानिवृत्तियाँ Voluntary Retirements

इस मुख्यालय में अप्रैल, 2022 से जून, 2022 तिमाही निम्नलिखित अधिकारीगण उनके नाम के समक्ष दी गई तारीख को स्वैच्छिक सेवानिवृत्त हुए

सुश्री एस.गीता,
सहा.स्टाफ अधिकारी
04.04.2022

श्री एस. मणिवण्णन,
स्थाना.म.प्र.
01.05.2022

श्रीमती चित्रा रामदुरै,
सहा.स्टाफ अधिकारी
02.05.2022

'अवनि परिवार' की ओर से ईश्वर से प्रार्थना है कि वे उक्त अधिकारियों को स्वस्थ एवं शांतिमय सेवानिवृत्त जीवन प्रदान करें ।

On behalf of "Avani family" we pray almighty to bless the above Officers for their good health and peaceful retired life.

"महान सपने देखने वालों के महान सपने हमेशा पूरे होते हैं !" – डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

प्रेरक प्रसंग Inspiring Context

जीवन और समस्याएं

किसी शहर में, एक आदमी निजी कंपनी में काम करता था। वह अपनी ज़िन्दगी से खुश नहीं था, हर समय वह कसी न किसी समस्या से परेशान रहता था। उसी शहर में एक महात्मा अपने आश्रम में रहते थे । बहुत से लोग अपनी समस्याएं लेकर उनके पास पहुँचते हैं और उनकी सलाह से खुश हो कर जाते थे। उस आदमी ने भी महात्मा के दर्शन करने का निश्चय किया। छुट्टी के दिन सुबह–सुबह ही उनके आश्रम के पास पहुंचा। बहुत इंतज़ार के बाद उसका का नंबर आया।

वह महात्मा से बोला– "गुरु जी, मैं अपने जीवन से बहुत दुखी हूँ, हर समय समस्याएं मुझे घेरी रहती हैं, कभी कार्यालय का तनाव रहता है, तो कभी घर पर अनबन हो जाती है, और कभी अपने सेहत को लेकर परेशान रहता हूँ । आप कोई ऐसा उपाय बताइये कि मेरे जीवन से सभी समस्याएं ख़त्म हो जाएं और मैं चैन से जी सकूँ ?" महात्मा मुस्कुराए और बोले – "पुत्र, आज बहुत देर हो गई है मैं तुम्हारे प्रश्न का उत्तर कल सुबह दूंगा । लेकिन क्या तुम मेरा एक छोटा सा काम करोगे ? हमारे आश्रम में सौ ऊंट हैं, मैं चाहता हूँ कि आज रात तुम इनका ख्याल रखो जब सौ के सौ ऊंट बैठ जाएं तो तुम भी सो जाना ।"

ऐसा कहते हुए महात्मा अंदर चले गए । अगली सुबह महात्मा उस आदमी से मिले और पूछा –"कहो बेटा, नींद अच्छी आई।" वह दुखी होते हुए बोला –"कहाँ गुरुवर, मैं तो एक पल भी नहीं सो पाया। मैंने बहुत कोशिश की पर मैं सभी ऊंटों को नहीं बैठा पाया, कोई न कोई ऊंट खड़ा हो ही जाता।" महात्मा बोले –"बेटा, कल रात तुमने अनुभव किया कि चाहे कितनी भी कोशिश कर लो सारे ऊंट एक साथ नहीं बैठ सकते, तुम एक को बैठाओगे तो कहीं और कोई

"तो हमें क्या करना चाहिए ?" – आदमी ने जिज्ञासावश पूछा।
"इन समस्याओं के बावजूद जीवन का आनंद लेना सीखो। कल रात क्या हुआ ?
1) कई ऊंट रात होते –होते खुद ही बैठ गए,
2) कई तुमने अपने प्रयास से बैठा दिए
3) बहुत से ऊंट तुम्हारे प्रयास के बाद भी नहीं बैठे और बाद में तुमने पाया कि उनमे से कुछ खुद ही बैठ गए।

कुछ समझे? समस्याएं भी ऐसी ही होती हैं।
1) कुछ तो अपने आप ही ख़त्म हो जाती हैं ,
2) कुछ को तुम अपने प्रयास से हल कर लेते हो
3) कुछ तुम्हारे बहुत कोशिश करने पर भी हल नहीं होतीं ,

ऐसी समस्याओं को समय पर छोड़ दो, उचित समय पर वे खुद ही ख़त्म हो जाती हैं। जीवन है, तो कुछ समस्याएं रहेंगी ही रहेंगी, पर इसका ये मतलब नहीं कि तुम दिन रात उन्ही के बारे में सोचते रहो । समस्याओं को एक ओर रखो और जीवन का आनंद लो, चैन की नींद ले लो, जब उनका समय आएगा वह खुद ही हल हो जाएँगी"। महात्मा की बातें सुन कर आदमी भी खुश हो कर घर लौटा ।

शेयरहोल्डरों की पहली विशेष सामान्य बैठक

आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड के निगम कार्यालय में दिनांक 24.05.2022 को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शेयरहोल्डरों की पहली विशेष सामान्य बैठक आयोजित की गई । इस बैठक में सम्माननीय राष्ट्रपति की ओर से श्री सुरेन्द्र प्रसाद यादव, संयुक्त सचिव, श्री गौरव शर्मा, श्री शरणजीत सिंह बेदी, श्रीमति ऊर्मिला राउत, श्री शारदा प्रसाद, श्री शेरशाह शेख मोहिद्दिन आदि शेयरहोल्डरों ने भाग लिया । एवीएनएल मुख्यालय की ओर से श्री संजीव किशोर, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री संजय द्विवेदी, निदेशक/संचालन, श्री सी. रामचन्द्रन, निदेशक/वित्त एवं श्री बी. पट्टनायक, निदेशक/मा.सं. आदि अधिकारियों ने भाग लिया । इस बैठक में एवीएनएल की महत्वपूर्ण गतिविधियों की चर्चा की गई ।

मुख्य संरक्षक
श्री आदित्यानंद श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक
श्री बी. पट्टनायक, निदेशक/मा.सं.

मुख्य संपादक
श्री रा. सहदेवन, महाप्रबंधक

उप मुख्य संपादक
श्री रामेश्वर मीणा, संयुक्त महाप्रबंधक

संपादक
श्री बी.जीवा, का.प्र.
श्री विपुल बाजपेई, सहा.का.प्र.

सह–संपादक
श्रीमती गीता पार्थसारथी, अनुभाग प्रमुख/राजभाषा
श्री आर.एन. अनन्त पद्मनाभन, क.अ.अ.

संपादक मंडल
श्री आर.सी. मौर्य, क.का.प्र.
श्रीमती एस. चित्रा, सहायक स्टाफ अधिकारी
श्रीमती वाणी राजेश, सहायक
श्रीमती लिंडा जोसफिन, सहायक
श्रीमती महिमई जीवा, कंटेंट लेखिका

https://avnl.co.in
https://twitter.com/AVANI_PR
https://www.facebook.com/Official.AVANI.PR

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की ओर से राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा प्रकाशित ई–मेलः avnl@nic.in